प्र १ निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये :- १६

अ) "संभव था सबकुछ

संभव था

महाराज जो कुछ कहते हैं

सब संभव था । "

अथवा

"लो स्वीकारो

मेरे अंतर्विरोध ! लो स्वीकारो

मेरे अस्वीकृता स्वीकृति का यह झुका माथ

लो स्वीकारो । "

आ) "रावरे दोष न पायन को।

पगधूरी को भूरि प्रभाठ महा है ।

पाहन ते बन –बाहन काठ को

कोमल है ,जल खाई रहा है ।

पावन पायाँ पखारि कै नाव चढ़ाइहौं

आयसु होत कहा है ?

तुलसी सुनि केवट के वर बैन

हँसे प्रभु जानकी ओर हहा है ।"

अथवा

"कामिनि कन्त सों जामिनी चंद सों दामिनी पावस-मेघ घटा सों ।

कीरति दान सों सुरति ज्ञान सों प्रीति बड़ी सन्मान महा सों

भूषण –भूषण सों तन ही , नलिनी नव – पूषनदेव –प्रभा सों ।

जाहिर चारिहूँ ओर जहान लसै हिन्दुआन खुमान सिवा सों ।"

प्र २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : - २४

क)' संशय की एक रात 'खंडकाव्य के कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'संशय की एक रात 'खंडकाव्य के उद्देश्य को लिखिए ।

ख) बिहारी के नीतिपरक दोहों की सविस्तार चर्चा कीजिये ।

अथवा

तुलसी के केवट प्रसंग के सम्पूर्ण सार पर प्रकाश डालिए ।

च) "संशय की एक रात खंडकाव्य आधुनिक मानव की कथा है "- इस मत की पुष्टि कीजिये ।

अथवा

छ) कवि भूषण के शिवाजी वर्णन वर्णन पर प्रकाश डालिए ।

प्र ४ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : - १०

च) विभीषण की मनोभावना ।

अथवा

लक्ष्मण का आक्रोश

छ) सूरदास की भक्तिभावना

अथवा

बिहारी का नायिका वर्णन

प्र ५ निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :- १०

१ 'संशय की एक रात' किसकी रचना है?

२ ' संशय की एक रात'के तृतीय सर्ग का नाम लिखिए ।

३ ' संशय की एक रात'में कुल कितने सर्ग हैं ?

४ ' संशय की एक रात 'की मुख्य कथा किस पर आधारित है ?

५ ' संशय की एक रात 'खंडकाव्य किसने प्रकाशित किया ?

६ बिहारी सतसई में कुल कितने दोहे हैं ?

७ डॉ रामदरश मिश्र द्वारा संपादित पुस्तक का नाम लिखिए ।

८ कबीर के पत्नी का नाम बताइए ।

९ सूरदास किस मार्ग के कवि थे ?

१० तुलसी के आराध्य का नाम बताइए ।

.....